घ्रेषक.

अभिताम श्रीवास्तव, अपर सचिव. उत्तरांचल शासन।

सेवा में

निदेशक . संस्कृति निदेशालय, देहराद्न।

देहरादुन : दिनांक 3। मार्च, 2005

संस्कृति अनुगतमः विषय:- खाड़ी तिसहे (नरेन्द्र नगर क्षेत्र) में स्व० श्रीमती इन्दिस गांधी, मृतपूर्व प्रधानमंत्री, भारत सरकार की स्मृति में स्मारक / मूर्ति स्थापना हेत् घनावंटन के सम्बन्ध में।

महोदय. उपर्युक्त विषयक संस्कृति निदेशालय के प्रस्ताव दिनांक 20 मार्च 2005 के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय उक्त कार्य हेतु रू० 1.00 लाख (रूपये एक लाख मात्र) धनराशि को आहरित कर व्यय करने की सहपं

रवीकति प्रदान करते है। उपरोक्त आवटित धनराशि का उपयोग केवल उन्हीं मदों में किया जायेगा जिन मदों के लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने के लिये बजट मैनुअल या विल्तीय हरत पुश्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। स्वीकृत व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय भितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।

3— कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आंगणन/मानचित्र गंडित कर निधमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी

होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

4- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय। 5- कार्य कराने से पूर्व समस्त ओपचारिकताएं तकगीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित

दरों / विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें। e- कार्य कराने से पूर्व रथाल का भली-भांति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भुगवंवेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के

पश्चात रथल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जायें।

7— उपरोक्त धनराशि को आहरित कर जिलाधिकारी, टिहरी गढवाल को उक्त कार्य के निर्माण हेतु उपलब्ध करा दिया जाय। 8- उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2004-05 के अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2205-कला एव सम्बर्द्धन-10-महान विभृतियों का एवं संस्कृति रांस्कृति-00-आयोजनागत-102-कला रथापना-1091-जिलायोजना-25-लघु निर्माण कार्य मानक मद के नामे डाला जायेगा।

9- उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अक्षा० सं0-1998/वित्त अनुभाग-2/2005, दिनाक 30 मार्च, 2005 में प्राप्त उनकी सहमति

से जारी किये जा एहें है।

भवदीय.

(अमिताम श्रीवास्तव) अपर सचिव।

VI-1/2005, तद्दिनांकित पृष्ठांकन संख्या-प्रतिलिपि निम्नलिखित को शूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तरांचल, देहरादून। 1-

वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून। 2-

जिलाधिकारी, टिहरी गढवाल। 3-

वित्तं अनुमाग-2, उत्तरांचल शासन। 4-

अपर संविव, नियोजन विभाग, उत्तरांचल शासन।

निदेशक, एन०आई०सी०, सनिवालय परिसर। Be

गार्ड फाईल। 7-

> (अभिताम श्रीवास्तव) अपर सचिव।